डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या (उ0प्र0)
DR. RAMMANOHAR LOHIA AVADHUNIVERSITY, AYODHYA (U.P.)

हिन्दुस्तान, अयोध्या

दिनांकः 18 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 04

जी-20 पर विद्यार्थियों को जागरूक किया गया

अयोध्या, संवाददाता। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के आईईटी संस्थान में भारत सरकार के जी-20 को लेकर छात्र-छात्राओं के बीच जागरुकता अभियान चलाया गया। इसमें राष्ट्रीय ध्वज के जीवंत रंगों से छात्रों को प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक प्रो. रमापति मिश्र ने बताया कि जी-20 शिखर सम्मेलन से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक मुद्दों पर मजबूती मिलेगी। इसकी अध्यक्षता भारत कर रहा है। उन्होंने बताया कि शिखर सम्मेलन में वैश्विक, आर्थिक और वित्तीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक मंच है। इसमें प्रमुख देशों के राष्ट्राध्यक्ष सहित अन्य

जी- 20 पर आईईटी संस्थान में विद्यार्थियों को जानकारी देते शिक्षकगण

शामिल होंगे। छात्रों को जी-20 में शामिल होने वाले देशों के बारे में बताते हुए उपयोगिता पर से चर्चा की।

डॉ. अनूप श्रीवास्तव ने बताया कि जी-20 शिखर सम्मेलन प्रतिवर्ष एक क्रमिक अध्यक्षता में आयोजित किया जाता है। वर्तमान में इसके एजेंडे में व्यापार, जलवायु परिवर्तन, सतत विकास, स्वास्थ्य, कृषि, ऊर्जा, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन शामिल है। आईईटी के शिक्षक आशीष पांडेय ने बताया कि जी-20 में दो समानांतर ट्रैक होते हैं। जिसमें एक वित्त और दूसरा शेरपा ट्रैक होता है। वित्त मंत्री और सेंट्रल बैंक के गवर्नर वित्त ट्रैक का नेतृत्व करते हैं जबकि शेरपा ट्रैक का नेतृत्व ग्रुप ऑफ ट्वेंटी अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग का प्रमुख मंच है। डॉ. रतींद्र गौतम ने बताया कि जी-20 में नागरिक समाजों, सांसदों, विचार मचों, महिलाओं, युवाओं, श्रमिकों, व्यवसायों और शोधकर्ताओं को एक साथ लाते हैं। श्वेता ने बताया कि जी-20 का लोगो भारत के राष्ट्रीय ध्वज के जीवंत रंगों से प्रेरित है। इसके साथ भारत के राष्ट्रीय पुष्प कमल को पृथ्वी ग्रह के साथ प्रस्तुत किया गया है जो विकास को दर्शाता है।

हिन्दुस्तान, अयोध्या

दिनांकः 18 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 04

शास्त्रीय संगीत भारतीय संस्कृति की पहचान

अवध विवि

अयोध्या, संवाददाता। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विवि के संत कबीर सभागार में युवाओं को भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं संस्कृति के प्रति जागरूक करने के लिए स्पीक मैके संस्था के प्रख्यात सितार वादक पं. शुभेन्द्र राव ने छात्र-छात्राओं को शास्त्रीय संगीत से परिचित कराया।

पं. राव ने राग किरवानी की प्रस्तुति से युवाओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय की अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया। सितार वादक पं. शुभेन्द्र राव ने सितार पर हाथ फेरते हुए मधुर धुनों से सभागार को सराबोर कर दिया।

तबले पर जहीर खान रहे। उन्होंने कहा कि शास्त्रीय संगीत सुनने से शांति मिलती है। यह अपनी संस्कृति की एक पहचान है।

हिन्दुस्तान, अयोध्या

दिनांकः 18 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 05

महिला सशक्तीकरण' विषय पर आयोजित व्याख्यान को सम्बोधित करते वक्ता।

कौशल विकास में ढेरों संभावनाएं: डॉ. पाल

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. आशुतोष सिन्हा ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था को कला के माध्यम से सुदृढ़ किया जा सकता है। इसे आधी आबादी कला के माध्यम से ही पूरा कर सकती है। उन्होंने कहा कि देश में कौशल विकास की आपार सम्भावनाएं है। महिलाएं परम्परागत एवं पौराणिक कलाओ को अपनाते हुए रोजगार कर सकती है।

पावन भारत टाइम्स, अयोध्या

दिनांकः 18 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 03

अवध विवि में जी-20 पर चलाया गया जागरूकता अभियान

पीबीटी संवाददाता

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के आईईटी संस्थान में भारत सरकार के जी-20 को लेकर छात्र-छात्राओं के बीच जागरूकता अभियान चलाया गया। इसमें राष्ट्रीय ध्वज के जीवंत रंगों से छात्रों को प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक प्रो0 रमापति मिश्र ने बताया कि जी-20 शिखर सम्मेलन से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक मुद्दों पर मजबूती मिलेगी। जिसकी अध्यक्षता भारत कर रहा है। उन्होंने बताया कि शिखर सम्मेलन में वैश्विक, आर्थिक और वित्तीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक मंच है। इसमें प्रमुख देशों के राष्ट्राध्यक्ष सहित अन्य शामिल होंगे। उन्होंने छात्रों को जी-20 में शामिल होने वाले देशों के बारे में बताते हुए इसकी उपयोगिता पर विस्तार से चर्चा की। अभियान में अप्लाइड साइंस के डॉ. अनूप श्रीवास्तव ने बताया कि जी-20 शिखर सम्मेलन प्रतिवर्ष एक क्रमिक अध्यक्षता में आयोजित किया जाता है। वर्तमान में इसके एजेंडे में व्यापार, जलवायु परिवर्तन, सतत विकास, स्वास्थ्य, कृषि, ऊर्जा, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन शामिल है। आईईटी के शिक्षक आशीष पांडे ने बताया कि जी-20 में दो समानांतर ट्रैक होते हैं। जिसमें एक वित्त और दूसरा शेरपा ट्रैक होता है। वित्त मंत्री और सेंट्रल बैंक के गवर्नर वित्त ट्रैक का नेतृत्व करते हैं जबकि शेरपा ट्रैक का नेतृत्व ग्रुप ऑफ ट्वेंटी अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग का प्रमुख मंच है। संस्थान के शिक्षक डॉ0 रतींद्र गौतम ने बताया जी-20 में नागरिक समाजों, सांसदों, विचार मचों, महिलाओं, युवाओं, श्रमिकों, व्यवसायों और शोधकर्ताओं को एक साथ लाते हैं। कार्यक्रम में श्वेता कुमारी ने बताया कि जी-20 का लोगो भारत के राष्ट्रीय ध्वज के जीवंत रंगों से प्रेरित है। इसके साथ भारत के राष्ट्रीय पुष्प कमल को पृथ्वी ग्रह के साथ प्रस्तुत किया गया है जो चुनौतियों के बीच विकास को दर्शाता है। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन संस्थान के इंजीनियर परिमल तिवारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन इंजीनियर रमेश मिश्र ने किया। इस अवसर पर संस्थान के शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जी-20 पर जागरूकता अभियान

पावन भारत टाइम्स, अयोध्या

दिनांकः 18 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 04

देश में कौशल विकास की आपार सम्भावनाएं : आशुतोष

विवि में भारतीय अर्थव्यवस्था में कला के माध्यम से महिला सशक्तिकरण पर विशिष्ट व्याख्यान

पीबीटी संवाददाता

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास तथा ललित कला (फाईन आर्ट्स) विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'भारतीय अर्थव्यवस्था में कला के माध्यम से महिला सशक्तिकरण' विषय पर सोमवार को विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. आशुतोष सिन्हा ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था को कला के माध्यम से सुदृढ़ किया जा सकता है। इसे आधी आबादी कला के माध्यम से ही पूरा कर सकती है। उन्होंने बताया कि देश में कौशल विकास की आपार सम्भावनाएं है। महिलाएं परम्परागत एवं पौराणिक कलाओ को अपनाते हुए रोजगार कर सकती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जो महिलाएं अर्थव्यवस्था से जुड़ी है, वे अपनी विशिष्टता को स्वरूप प्रदान करते हुए बाजारोन्मुखी बने।

अवध विवि में आयोजित व्याख्यान

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता एल0बी0एस0 पी0जी0 कालेज, गोण्डा के वरिष्ठ अर्थशास्त्री जे0बी पाल ने बताया कि राज्य एवं केन्द्र सरकार महिलाओं को स्वालम्बी बनाने के लिए कई योजनाएं चला रही है। इन योजनाओं का लाभ उठाकर रोजगार कर सकती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में महिलाएं हर क्षेत्र में कार्य कर रही है। जो महिलाएं रोजगार से जुड़ी है। वे अन्य महिलाओं के लिए प्रेरक बने। जिससे उनका जीवन स्तर ऊँचा उठ सके। कार्यक्रम में अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभागाध्यक्ष प्रो0 विनोद कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि आज भी भारतीय अर्थव्यवस्था में लगभग 40 प्रतिशत महिलाएं अर्ध शिक्षित परम्परागत उद्योगो से जुड़ी है। उनके हुनर का सदुपयोग करते हुए उत्पादो को बाजार तक पहुँचाना होगा। ताकि आर्थिक सम्पन्नता के साथ महिलाओं के शक्तिशाली स्वरूप को ओर वृहद् किया जा सके।

कार्यक्रम में इंदिरा गांधी राजकीय पी0जी0कालेज बांगर मऊ, उन्नाव की अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष श्रीमती सविता ने महिला सशक्तिकरण पर अपने शोध-पत्र को प्रस्तुत करते हुए कि महिला का सशक्तिकरण तभी सम्भव है जब समाज उनके आत्म सम्मान को यथोचित सम्मान प्रदान करें। कार्यक्रम की संयोजिका ललित कला की शिक्षिका डॉ0 सरिता द्विवेदी ने बताया कि वसुधैव कुटुम्बकम को ध्यान में रखते हुए भारत के जी-20 के लिए विशिष्ट कार्यक्रमों की श्रृखला का आयोजन प्रत्येक सप्ताह होता रहेगा। ताकि विभागीय छात्र-छात्राओं को समसामायिक विषयों पर यथोचित जानकारी मिल सके। कार्यक्रम के दौरान डॉ0 अलका श्रीवास्तव, श्रीमती सरिता सिंह, धर्म कीर्ति, आशीष प्रजापति, विजय कुमार शुक्ला, कुशाग्र पाण्डेय तथा बडी सख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

पावन भारत टाइम्स, अयोध्या

दिनांकः 18 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 04

शास्त्रीय संगीत भारतीय संस्कृति की पहचान : पं. शुभेन्द्र राव

अवध विश्वविद्यालय में सितार के धुनों से श्रोता सराबोर हुए

अवध विवि में स्पीक मैके संस्था के प्रख्यात सितार वादक पं. शुभेन्द्र राव

पीबीटी संवाददाता

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं संस्कृति के प्रति जागरूक करने के लिए स्पीक मैके संस्था के प्रख्यात सितार वादक पं0 शुभेन्द्र राव ने छात्र-छात्राओं को शास्त्रीय संगीत से परिचित कराया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम पं0 राव व अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो0 नीलम पाठक द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित करके शुभारम्भ किया। इसके पश्चात पं0 शुभेन्द्र राव ने सितार पर हाथ फेरते हुए मधुर धुनों से सभागार को सराबोर कर दिया। तबले पर इनका साथ जहीर खान ने दिया। कार्यक्रम के दौरान सितार वादक ने बताया कि सितार भारत में काफी लोकप्रिय यंत्रों में से है। प्राचीन शास्त्रीय संगीत से लेकर हर संगीत में इसको प्रयोग में लाया जाता है। उन्होंने बताया कि शास्त्रीय संगीत सुनने से शांति मिलती है। यह अपनी संस्कृति की एक पहचान है। कार्यक्रम में उन्होंने बीच-बीच में सितार पर धुनों की छटा बिखेरी जिससे श्रोता मंत्रमुग्ध हो गये। कार्यक्रम का संचालन प्रो0 नीलम पाठक ने किया। इस अवसर पर प्रो0 के0के0 वर्मा, डॉ0 सुरेन्द्र मिश्र, डॉ0 मुकेश वर्मा, डॉ0 दिनेश कुमार सिंह, डॉ0 मणिकांत त्रिपाठी, डॉ0 प्रदीप सिंह, इंजीनियर अनुराग सिंह, गायत्री वर्मा, आशीष मिश्रा, प्रवीण मिश्रा सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक पवन पाण्डेय द्वारा सावित्रि आफसेट कौशलपुरी फेज-2 भगवती नगर शहर फैजाबाद जिला अयोध्या से मुद्रित एवं म.सं.5/1/107 बी बेगमपुरा जिला अयोध्या, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

सम्पादक

पवन पाण्डेय

मो.9415172077

email-

pbtfaizabad@gmail.com

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र अयोध्या ही मान्य होगा।

डाक पंजीकृत FAZ28

RNI-UPHIN/2016/68742

कुटंब जागरण, अयोध्या

दिनांकः 18 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 02

अवध विवि में जी-20 पर चलाया गया जागरूकता अभियान

कुटुंब जागरण ब्यूरो

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के आईईटी संस्थान में भारत सरकार के जी-20 को लेकर छात्र-छात्राओं के बीच जागरूकता अभियान चलाया गया। इसमें राष्ट्रीय ध्वज के जीवंत रंगों से छात्रों को प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक प्रोद्द रमापति मिश्र ने बताया कि जी-20 शिखर सम्मेलन से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक मुद्दों पर मजबूती मिलेगी। जिसकी अध्यक्षता भारत कर रहा है। उन्होंने बताया कि शिखर सम्मेलन में वैश्विक, आर्थिक और वित्तीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक मंच है। इसमें प्रमुख देशों के राष्ट्राध्यक्ष सहित अन्य शामिल होंगे। उन्होंने छात्रों को जी-20 में शामिल होने वाले देशों के बारे में बताते हुए इसकी उपयोगिता पर विस्तार से चर्चा की। अभियान में अप्लाइड साइंस के डा0 अनूप श्रीवास्तव ने बताया

कि जी-20 शिखर सम्मेलन प्रतिवर्ष एक क्रमिक अध्यक्षता में आयोजित किया जाता है। वर्तमान में इसके एजेंडे में व्यापार, जलवायु परिवर्तन, सतत विकास, स्वास्थ्य, षि, ऊर्जा, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन शामिल है। आईईटी के शिक्षक आशीष पांडे ने बताया कि जी-20 में दो समानांतर ट्रैक होते हैं। जिसमें एक वित्त और दूसरा शेरपा ट्रैक होता है। वित्त मंत्री और सेंट्रल बैंक के गवर्नर वित्त ट्रैक का नेतृत्व करते हैं जबकि शेरपा ट्रैक का नेतृत्व ग्रुप अश्वफ ट्वेंटी अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग का प्रमुख मंच है। संस्थान के शिक्षक डॉ0 रतींद्र गौतम ने बताया जी-20 में नागरिक समाजों, सांसदों, विचार मचों, महिलाओं, युवाओं, श्रमिकों, व्यवसायों और शोधकर्ताओं को एक साथ लाते हैं। कार्यक्रम में श्वेता कुमारी ने बताया कि जी-20 का लोगो भारत के राष्ट्रीय ध्वज के जीवंत रंगों से प्रेरित है। इसके साथ भारत के राष्ट्रीय पुष्प कमल को पृथ्वी ग्रह के साथ प्रस्तुत किया गया है जो चुनौतियों के बीच विकास को दर्शाता है। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन संस्थान के इंजीनियर परिमल तिवारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन इंजीनियर रमेश मिश्र ने किया।

कुटुंब जागरण, अयोध्या

दिनांकः 18 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 03

शास्त्रीय संगीत भारतीय संस्कति की पहचानः पं0 शुभेन्द्र राव

कुटुंब जागरण ब्यूरो

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं संस् ति के प्रति जागरूक करने के लिए स्पीक मैके संस्था के प्रख्यात सितार वादक पं0 शुभेन्द्र राव ने छात्र–छात्राओं को शास्त्रीय संगीत से परिचित कराया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम पं0 राव व अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो0 नीलम पाठक द्वारा मॉ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित करके शुभारम्भ किया। इसके पश्चात पं0 शुभेन्द्र राव ने सितार पर हाथ फेरते हुए मधुर धुनों से सभागार को सराबोर कर दिया। तबले पर इनका साथ जहीर खान ने दिया। कार्यक्रम के दौरान सितार वादक ने बताया कि सितार भारत में काफी लोकप्रिय यंत्रों में से है। प्राचीन शास्त्रीय संगीत से लेकर हर संगीत में इसको प्रयोग में लाया जाता है। उन्होंने

बताया कि शास्त्रीय संगीत सुनने से शांति मिलती है। यह अपनी संस् ति की एक पहचान है। कार्यक्रम में उन्होंने बीच–बीच में सितार पर धुनों की छटा बिखेरी जिससे श्रोता मंत्रमुग्ध हो गये। कार्यक्रम का संचालन प्रो0 नीलम पाठक ने किया। इस अवसर पर प्रो0 के0के0 वर्मा, डॉ0 सुरेन्द्र मिश्र, डॉ0 मुकेश वर्मा, डॉ0 दिनेश कुमार सिंह, डॉ0 मणिकांत त्रिपाठी, डॉ0 प्रदीप सिंह, इंजीनियर अनुराग सिंह, गायत्री वर्मा, आशीष मिश्रा, प्रवीण मिश्रा सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

अमृत विचार, अयोध्या

दिनांकः 18 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 03

पं.शुभेंद्र की सितार पर प्रस्तुति से झूम उठे श्रोता

अवध विश्वविद्यालय में सितार वादक को सम्मानित करते पदाधिकारी।

कार्यालय संवाददाता, अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं संस्कृति के प्रति जागरूक करने के लिए स्पिक मैके संस्था के प्रख्यात सितार वादक पं. शुभेन्द्र राव ने छात्र-छात्राओं को शास्त्रीय संगीत से परचित कराया। कार्यक्रम का पं. राव व अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक ने शुभारम्भ किया। इसके पश्चात पं. शुभेन्द्र राव ने सितार पर हाथ फेरते हुए मधुर धुनों से सभागार को सराबोर कर दिया। तबले पर इनका साथ जहीर खान ने दिया। कार्यक्रम के दौरान सितार वादक ने बताया कि सितार भारत में काफी लोकप्रिय यंत्रों में से है। प्राचीन शास्त्रीय संगीत से लेकर हर संगीत में इसको प्रयोग में लाया जाता है। उन्होंने बताया कि शास्त्रीय संगीत सुनने से शांति मिलती है। यह अपनी संस्कृति की एक पहचान है। कार्यक्रम में उन्होंने बीच-बीच में सितार पर धुनों की छटा बिखेरी जिससे श्रोता मंत्रमुग्ध हो गये। कार्यक्रम का संचालन प्रो. नीलम पाठक ने किया। प्रो. केके वर्मा, डॉ. सुरेंद्र मिश्र, डॉ. मुकेश वर्मा, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. मणिकांत त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

अवध कमेंट वीक, अयोध्या

दिनांकः 18 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 03

शास्त्रीय संगीत भारतीय संस्कृति की पहचान : पं. शुभेन्द्र राव

अवध विश्वविद्यालय में सितार के धुनों से श्रोता सराबोर हुए

अवध विवि में स्पीक मैके संस्था के प्रख्यात सितार वादक पं. शुभेन्द्र राव

अवध कमेंट वीक

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं संस्कृति के प्रति जागरूक करने के लिए स्पीक मैके संस्था के प्रख्यात सितार वादक पं0 शुभेन्द्र राव ने छात्र-छात्राओं को शास्त्रीय संगीत से परिचित कराया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम पं0 राव व अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो0 नीलम पाठक द्वारा मॉ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित करके शुभारम्भ किया। इसके पश्चात पं0 शुभेन्द्र राव ने सितार पर हाथ फेरते हुए मधुर धुनों से सभागार को सराबोर कर दिया। तबले पर इनका साथ जहीर खान ने दिया। कार्यक्रम के दौरान सितार वादक ने बताया कि सितार भारत में काफी लोकप्रिय यंत्रों में से है। प्राचीन शास्त्रीय संगीत से लेकर हर संगीत में इसको प्रयोग में लाया जाता है। उन्होंने बताया कि शास्त्रीय संगीत सुनने से शांति मिलती है। यह अपनी संस्कृति की एक पहचान है। कार्यक्रम में उन्होंने बीच-बीच में सितार पर धुनों की छटा बिखेरी जिससे श्रोता मंत्रमुग्ध हो गये। कार्यक्रम का संचालन प्रो0 नीलम पाठक ने किया। इस अवसर पर प्रो0 के0के0 वर्मा, डॉ0 सुरेन्द्र मिश्र, डॉ0 मुकेश वर्मा, डॉ0 दिनेश कुमार सिंह, डॉ0 मणिकांत त्रिपाठी, डॉ0 प्रदीप सिंह, इंजीनियर अनुराग सिंह, गायत्री वर्मा, आशीष मिश्रा, प्रवीण मिश्रा सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

अवध कमेंट वीक, अयोध्या

दिनांकः 18 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 04

देश में कौशल विकास की आपार सम्भावनाएं : आशुतोष

विवि में भारतीय अर्थव्यवस्था में कला के माध्यम से महिला सशक्तिकरण पर विशिष्ट व्याख्यान

अवध कमेंट वीक

अवध विवि में आयोजित व्याख्यान

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास तथा ललित कला (फाईन आर्ट्स) विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'भारतीय अर्थव्यवस्था में कला के माध्यम से महिला सशक्तिकरण' विषय पर सोमवार को विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. आशुतोष सिन्हा ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था को कला के माध्यम से सुदृढ़ किया जा सकता है। इसे आधी आबादी कला के माध्यम से ही पूरा कर सकती है। उन्होंने बताया कि देश में कौशल विकास की आपार सम्भावनाएं है। महिलाएं परम्परागत एवं पौराणिक कलाओ को अपनाते हुए रोजगार कर सकती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जो महिलाएं अर्थव्यवस्था से जुड़ी है, वे अपनी विशिष्टता को स्वरूप प्रदान करते हुए बाजारोन्मुखी बने।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता एल0बी0एस0 पी0जी0 कालेज, गोण्डा के वरिष्ठ अर्थशास्त्री जे0बी पाल ने बताया कि राज्य एवं केन्द्र सरकार महिलाओं को स्वालम्बी बनाने के लिए कई योजनाएं चला रही है। इन योजनाओं का लाभ उठाकर रोजगार कर सकती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में महिलाएं हर क्षेत्र में कार्य कर रही है। जो महिलाएं रोजगार से जुड़ी है। वे अन्य महिलाओं के लिए प्रेरक बने। जिससे उनका जीवन स्तर ऊँचा उठ सके। कार्यक्रम में अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभागाध्यक्ष प्रो0 विनोद कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि आज भी भारतीय अर्थव्यवस्था में लगभग 40 प्रतिशत महिलाएं अर्ध शिक्षित परम्परागत उद्योगो से जुड़ी है। उनके हुनर का सदुपयोग करते हुए उत्पादो को बाजार तक पहुँचाना होगा। ताकि आर्थिक सम्पन्नता के साथ महिलाओं के शक्तिशाली स्वरूप को ओर वृहद् किया जा सके।

कार्यक्रम में इंदिरा गांधी राजकीय पी0जी0कालेज बांगर मऊ, उन्नाव की अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष श्रीमती सविता ने महिला सशक्तिकरण पर अपने शोध-पत्र को प्रस्तुत करते हुए कि महिला का सशक्तिकरण तभी सम्भव है जब समाज उनके आत्म सम्मान को यथोचित सम्मान प्रदान करें। कार्यक्रम की संयोजिका ललित कला की शिक्षिका डॉ0 सरिता द्विवेदी ने बताया कि वसुधैव कुटुम्बकम को ध्यान में रखते हुए भारत के जी-20 के लिए विशिष्ट कार्यक्रमों की श्रृखला का आयोजन प्रत्येक सप्ताह होता रहेगा। ताकि विभागीय छात्र-छात्राओं को समसामायिक विषयों पर यथोचित जानकारी मिल सके। कार्यक्रम के दौरान डॉ0 अलका श्रीवास्तव, श्रीमती सरिता सिंह, धर्म कीर्ति, आशीष प्रजापति, विजय कुमार शुक्ला, कुशाग्र पाण्डेय तथा बडी सख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

अवध कमेंट वीक, अयोध्या

दिनांकः 18 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 04

अवध विवि में जी-20 पर चलाया गया जागरूकता अभियान

अवध कमेंट वीक

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के आईईटी संस्थान में भारत सरकार के जी-20 को लेकर छात्र-छात्राओं के बीच जागरूकता अभियान चलाया गया। इसमें राष्ट्रीय ध्वज के जीवंत रंगों से छात्रों को प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक प्रो0 रमापति मिश्र ने बताया कि जी-20 शिखर सम्मेलन से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक मुद्दों पर मजबूती मिलेगी। जिसकी अध्यक्षता भारत कर रहा है। उन्होंने बताया कि शिखर सम्मेलन में वैश्विक, आर्थिक और वित्तीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक मंच है। इसमें प्रमुख देशों के राष्ट्राध्यक्ष सहित अन्य शामिल होंगे।

उन्होंने छात्रों को जी-20 में शामिल होने वाले देशों के बारे में बताते हुए इसकी उपयोगिता पर विस्तार से चर्चा की। अभियान में अप्लाइड साइंस के डॉ. अनूप श्रीवास्तव ने बताया कि जी-20 शिखर सम्मेलन प्रतिवर्ष एक क्रमिक अध्यक्षता में आयोजित किया जाता है। वर्तमान में इसके एजेंडे में व्यापार, जलवायु परिवर्तन, सतत विकास, स्वास्थ्य, कृषि, ऊर्जा, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन शामिल है। आईईटी के शिक्षक आशीष पांडे ने बताया कि जी-20 में दो समानांतर ट्रैक होते हैं। जिसमें एक वित्त और दूसरा शेरपा ट्रैक होता है। वित्त मंत्री और सेंट्रल बैंक के गवर्नर वित्त ट्रैक का नेतृत्व करते हैं जबकि शेरपा ट्रैक का नेतृत्व ग्रुप ऑफ ट्वेंटी अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग का प्रमुख मंच है। संस्थान के शिक्षक डॉ0 रतींद्र गौतम ने बताया जी-20 में नागरिक समाजों, सांसदों, विचार मचों, महिलाओं, युवाओं, श्रमिकों, व्यवसायों और शोधकर्ताओं को एक साथ लाते हैं। कार्यक्रम में श्वेता कुमारी ने बताया कि जी-20 का लोगो भारत के राष्ट्रीय ध्वज के जीवंत रंगों से प्रेरित है। इसके साथ भारत के राष्ट्रीय पुष्प कमल को पृथ्वी ग्रह के साथ प्रस्तुत किया गया है जो चुनौतियों के बीच विकास को दर्शाता है। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन संस्थान के इंजीनियर परिमल तिवारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन इंजीनियर रमेश मिश्र ने किया। इस अवसर पर संस्थान के शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

अमर उजाला माईसिटी, अयोध्या

दिनांक: 18 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्या: 03 व 04

अपनी कला से अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ कर सकतीं महिलाएं

संवाद न्यूज एजेंसी

अवध विवि में भारतीय अर्थव्यवस्था में कला के माध्यम से महिला सशक्तिकरण पर व्याख्यान

अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास तथा ललित कला फाइन आर्ट्स विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार शाम भारतीय अर्थव्यवस्था में कला के माध्यम से महिला सशक्तिकरण विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन हुआ।

इसकी अध्यक्षता करते हुए कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. आशुतोष सिन्हा ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था को कला के माध्यम से सुदृढ़ किया जा सकता है। इसे आधी आबादी कला के माध्यम से ही पूरा कर सकती है।

मुख्य वक्ता एलबीएस पीजी कॉलेज गोंडा के वरिष्ठ अर्थशास्त्री जेबी पाल ने बताया कि राज्य एवं केंद्र सरकार महिलाओं को स्वालंबी बनाने के लिए कई योजनाएं चला रही है। अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि आज भी भारतीय अर्थव्यवस्था में लगभग 40 प्रतिशत महिलाएं अर्ध शिक्षित परंपरागत उद्योगों से जुड़ी है। उनके हुनर का सदुपयोग करते हुए उत्पादों को बाजार तक पहुंचाना होगा।

कार्यक्रम में इंदिरा गांधी राजकीय पीजी कॉलेज बांगरमऊ उन्नाव की अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष सविता ने महिला सशक्तिकरण पर अपने शोधपत्र प्रस्तुत करते हुए कहा कि महिला का सशक्तिकरण तभी संभव है, जब समाज उनके आत्मसम्मान को यथोचित सम्मान प्रदान करें।

कार्यक्रम की संयोजिका ललित कला की शिक्षिका डॉ. सरिता द्विवेदी ने बताया कि वसुधैव कुटुम्बकम को ध्यान में रखते हुए भारत के जी-20 के लिए विशिष्ट कार्यक्रमों की शृंखला का आयोजन प्रत्येक सप्ताह होता रहेगा। जिससे विभागीय छात्र-छात्राओं को समसामयिक विषयों पर यथोचित जानकारी मिल सके। इस दौरान डॉ. अलका श्रीवास्तव, सरिता सिंह, धर्म कीर्ति, आशीष प्रजापति, विजय कुमार शुक्ला, कुशाग्र पांडेय समेत छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

शिखर सम्मेलन से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक मुद्दों पर मिलेगी मजबूती

अवध विवि में जी-20 पर चलाया गया जागरुकता अभियान

अयोध्या। अवध विवि के आईईटी संस्थान में मंगलवार को केंद्र सरकार के जी-20 को लेकर छात्र-छात्राओं के बीच जागरूकता अभियान चलाया गया। इसमें राष्ट्रीय ध्वज के जीवंत रंगों से छात्रों को प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक प्रो. रमापति मिश्र ने बताया कि जी-20 शिखर सम्मेलन से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक मुद्दों पर मजबूती मिलेगी। इसकी अध्यक्षता भारत कर रहा है।

अप्लाइड साइंस के डॉ. अनूप श्रीवास्तव ने बताया कि जी-20 शिखर सम्मेलन प्रतिवर्ष एक क्रमिक अध्यक्षता में आयोजित किया जाता है। वर्तमान में इसके एजेंडे में व्यापार, जलवायु परिवर्तन, सतत विकास, स्वास्थ्य, कृषि, ऊर्जा, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन शामिल है।

आईईटी के शिक्षक आशीष पांडे ने बताया कि जी-20 में दो समानांतर ट्रैक होते हैं। जिसमें एक वित्त और दूसरा शेरपा ट्रैक होता है। वित्त मंत्री और सेंट्रल बैंक के गवर्नर वित्त ट्रैक का नेतृत्व करते हैं जबकि शेरपा ट्रैक का नेतृत्व ग्रुप ऑफ ट्वेंटी अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग का प्रमुख मंच है।

संस्थान के शिक्षक डॉ. रतींद्र गौतम ने बताया कि जी-20 में नागरिक समाकों, सांसदों, विचार मचों, महिलाओं, युवाओं, श्रमिकों, व्यवसायों और शोधकर्ताओं को एक साथ लाते हैं। कार्यक्रम में श्वेता कुमारी, इंजीनियर परिमल तिवारी, रमेश मिश्र मौजूद रहे। संवाद

शास्त्रीय संगीत भारतीय संस्कृति की पहचान

अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं संस्कृति के प्रति जागरूक करने के लिए स्पीक मैके संस्था के प्रख्यात सितार वादक पं. शुभेंद्र राव ने मंगलवार को छात्रों को शास्त्रीय संगीत से परिचित कराया। उन्होंने सितार पर हाथ फेरते हुए मधुर धुनों से सभागार को सराबोर कर दिया। तबले पर इनका साथ जहीर खान ने दिया। सितार वादक ने बताया कि सितार भारत में काफी लोकप्रिय यंत्रों में से है। प्राचीन शास्त्रीय संगीत से लेकर हर संगीत में इसको प्रयोग में लाया जाता है। संचालन प्रो. नीलम पाठक ने किया। इस अवसर पर प्रो. केके वर्मा, डॉ. सुरेंद्र मिश्र, डॉ. मुकेश वर्मा, डॉ. दिनेश कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। संवाद

शांतिमोर्चा, अयोध्या

दिनांकः 18 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 08

कुलपति प्रो.प्रतिभा गोयल ने राज्यपाल से की शिष्टाचार भेंट

(शान्तिमोर्चा संवाद)

अयोध्या 17 जनवरी। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं प्रदेश राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन पटेल के साथ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने शिष्टाचार भेट की। सोमवार को आचार्य नरेन्द्रदेव कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, कुमारगंज में आयोजित दीक्षांत समारोह के उपरांत राज्यपाल से कुलपति प्रो0 गोयल ने औपचारिक भेट की। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय की शैक्षिक गतिविधियों पर कुलपति से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। राज्यपाल

ने विश्वविद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता पर जोर देते हुए विद्यार्थियों के हित में कार्ययोजना पर चर्चा की। कुलपति प्रो0 गोयल ने बताया कि राज्यपाल महोदया से शिष्टाचार वार्ता हुई। जिसमें उन्होंने विश्वविद्यालय की शिक्षा बेहतरी के लिए सुझाव दिया। निश्चित ही आने वाले समय में शिक्षको एवं अधिकारियों के साथ–साथ छात्रों के लिए बेहतर माहौल तैयार होगा।

शांतिमोर्चा, अयोध्या

दिनांकः 18 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 08

राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में सितार के धुनों से श्रोता सराबोर हुए

शास्त्रीय संगीत भारतीय संस्कृति की पहचान : पं. शुभेन्द्र

(शान्तिमोर्चा संवाद)

अयोध्या , 17 जनवरी। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं संस्कृति के प्रति जागरूक करने के लिए स्पीक मैके संस्था के प्रख्यात सितार वादक पं0 शुभेन्द्र राव ने छात्र–छात्राओं को शास्त्रीय संगीत से परिचित कराया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम पं0 राव व अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो0 नीलम पाठक द्वारा मॉ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित

करके शुभारम्भ किया। इसके पश्चात पं0 शुभेन्द्र राव ने सितार पर हाथ फेरते हुए मधुर धुनों से सभागार को सराबोर कर दिया। तबले पर इनका साथ जहीर खान ने दिया। कार्यक्रम के दौरान सितार वादक ने बताया कि सितार भारत में काफी लोकप्रिय यंत्रों में से है। प्राचीन शास्त्रीय संगीत से लेकर हर संगीत में इसको प्रयोग में लाया जाता है। उन्होंने बताया कि शास्त्रीय संगीत सुनने से शांति मिलती है। यह अपनी संस्कृति की एक पहचान है। कार्यक्रम में उन्होंने बीच–बीच में सितार पर धुनों की छटा बिखेरी जिससे श्रोता मंत्रमुग्ध हो गये। कार्यक्रम का संचालन प्रो0 नीलम पाठक ने किया। इस अवसर पर प्रो0 के0के0 वर्मा, डॉ0 सुरेन्द्र मिश्र, डॉ0 मुकेश वर्मा, डॉ0 मणिकांत त्रिपाठी, डॉ0 प्रदीप सिंह, इंजीनियर अनुराग सिंह, गायत्री वर्मा,सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

स्वतंत्र प्रभात, अयोध्या

दिनांकः 17 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 02

कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल की राज्यपाल के साथ शिष्टाचार भेंट

स्वतंत्र प्रभात

अयोध्या– डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं प्रदेश राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन पटेल के साथ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने शिष्टाचार भेट की। सोमवार को आचार्य नरेन्द्रदेव कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, कुमारगंज में आयोजित दीक्षांत समारोह के उपरांत राज्यपाल से कुलपति प्रो0 गोयल ने औपचारिक भेट की। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय की शैक्षिक गतिविधियों पर कुलपति से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता पर जोर देते हुए विद्यार्थियों के हित में कार्ययोजना पर चर्चा की। कुलपति प्रो0 गोयल ने बताया कि राज्यपाल महोदया से शिष्टाचार वार्ता हुई। जिसमें उन्होंने विश्वविद्यालय की शिक्षा बेहतरी के लिए सुझाव दिया। निश्चित ही आने वाले समय में शिक्षको एवं अधिकारियों के साथ-साथ छात्रों के लिए बेहतर माहौल तैयार होगा।

स्वतंत्र भारत, अयोध्या

दिनांकः 18 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 05

भारतीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में आधी आबादी का हो सकता है योगदान

अवध विश्वविद्यालय में भारतीय अर्थव्यवस्था में कला के माध्यम से महिला सशक्तीकरण विषय पर हुआ व्याख्यान

स्वतंत्र भारत ब्यूरो (अयोध्या) डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास तथा ललित कला (फाईन आर्ट्स) विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'भारतीय अर्थव्यवस्था में कला के माध्यम से महिला सशक्तिकरण' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो0 आशुतोष सिन्हा ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था को कला के माध्यम से सुदृढ़ किया जा सकता है। इसे आधी आबादी कला के माध्यम से ही पूरा कर सकती है। उन्होंने बताया कि देश में कौशल विकास की आपार सम्भावनाएं है। महिलाएं परम्परागत एवं पौराणिक कलाओ को अपनाते हुए रोजगार कर सकती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जो महिलाएं अर्थव्यवस्था से जुड़ी है, वे अपनी विशिष्टता को स्वरूप प्रदान करते हुए बाजारोन्मुखी बने। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता एल0बी0एस0 पी0जी0 कालेज, गोण्डा के वरिष्ठ अर्थशास्त्री जे0बी पाल ने बताया कि राज्य एवं केन्द्र सरकार महिलाओं को स्वालम्बी बनाने के लिए कई योजनाएं चला रही है। इन योजनाओं का लाभ उठाकर रोजगार कर सकती है। वर्तमान में महिलाएं हर क्षेत्र में कार्य कर रही है। जो महिलाएं रोजगार से जुड़ी है। वे अन्य महिलाओं के लिए प्रेरक बने। जिससे उनका जीवन स्तर ऊँचा उठ सके। कार्यक्रम में अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभागाध्यक्ष प्रो0 विनोद कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि आज भी भारतीय अर्थव्यवस्था में लगभग 40 प्रतिशत महिलाएं अर्ध शिक्षित परम्परागत उद्योगो से जुड़ी है। उनके हुनर का सदुपयोग करते हुए उत्पादो को बाजार तक पहुँचाना होगा। ताकि आर्थिक सम्पन्नता के साथ महिलाओं के शक्तिशाली स्वरूप को ओर वृहद् किया जा सके। कार्यक्रम में इंदिरा गांधी राजकीय पी0जी0कालेज बांगर मऊ, उन्नाव की अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष सविता ने महिला सशक्तिकरण पर अपने शोध-पत्र को प्रस्तुत करते हुए कि महिला का सशक्तिकरण तभी सम्भव है जब समाज उनके आत्म सम्मान को यथोचित सम्मान प्रदान करें। कार्यक्रम की संयोजिका ललित कला की शिक्षिका डॉ0 सरिता द्विवेदी ने बताया कि वसुधैव कुटुम्बकम को ध्यान में रखते हुए भारत के जी-20 के लिए विशिष्ट कार्यक्रमों की श्रृखला का आयोजन प्रत्येक सप्ताह होता रहेगा। ताकि विभागीय छात्र-छात्राओं को समसामायिक विषयों पर यथोचित जानकारी मिल सके। कार्यक्रम के दौरान डॉ0 अलका श्रीवास्तव, सरिता सिंह, धर्म कीर्ति, आशीष प्रजापति, विजय कुमार शुक्ला, कुशाग्र पाण्डेय तथा बड़ी सख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

राष्ट्रीय स्वरूप, अयोध्या

दिनांकः 18 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 04

देश में कौशल विकास की आपार सम्भावनाएं : आशुतोष

विवि में भारतीय अर्थव्यवस्था में कला के माध्यम से महिला सशक्तिकरण पर विशिष्ट व्याख्यान

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास तथा ललित कला (फाईन आर्ट्स) विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'भारतीय अर्थव्यवस्था में कला के माध्यम से महिला सशक्तिकरण' विषय पर सोमवार को विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. आशुतोष सिन्हा ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था को कला के माध्यम से सुदृढ़ किया जा सकता है। इसे आधी आबादी कला के माध्यम से ही पूरा कर सकती है। उन्होंने बताया कि देश में कौशल विकास की आपार सम्भावनाएं है। महिलाएं परम्परागत एवं पौराणिक कलाओ को अपनाते हुए रोजगार कर सकती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जो महिलाएं अर्थव्यवस्था से जुड़ी है, वे अपनी विशिष्टता को स्वरूप प्रदान करते हुए बाजारोन्मुखी बने। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता एल0बी0एस0 पी0जी0 कालेज, गोण्डा के वरिष्ठ अर्थशास्त्री जे0बी पाल ने बताया कि राज्य एवं केन्द्र सरकार महिलाओं को स्वालम्बी बनाने के लिए कई योजनाएं चला रही है। इन योजनाओं का लाभ उठाकर रोजगार कर सकती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में महिलाएं हर क्षेत्र में कार्य कर रही है। जो महिलाएं रोजगार से जुड़ी है। वे अन्य महिलाओं के लिए प्रेरक बने। जिससे उनका जीवन स्तर ऊँचा उठ सके। कार्यक्रम में

अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभागाध्यक्ष प्रो0 विनोद कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि आज भी भारतीय अर्थव्यवस्था में लगभग 40 प्रतिशत महिलाएं अर्ध शिक्षित परम्परागत उद्योगो से जुड़ी है। उनके हुनर का सदुपयोग करते हुए उत्पादो को बाजार तक पहुँचाना होगा। ताकि आर्थिक सम्पन्नता के साथ महिलाओं के शक्तिशाली स्वरूप को ओर वृहद् किया जा सके। कार्यक्रम में इंदिरा गांधी राजकीय पी0जी0कालेज बांगर मऊ, उन्नाव की अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष श्रीमती सविता ने महिला सशक्तिकरण पर अपने शोध-पत्र को प्रस्तुत करते हुए कि महिला का सशक्तिकरण तभी सम्भव है जब समाज उनके आत्म सम्मान को यथोचित सम्मान प्रदान करें। कार्यक्रम की संयोजिका ललित कला की शिक्षिका डॉ0 सरिता द्विवेदी ने बताया कि वसुधैव कुटुम्बकम को ध्यान में रखते हुए भारत के जी-20 के लिए विशिष्ट कार्यक्रमों की श्रृखला का आयोजन प्रत्येक सप्ताह होता रहेगा। ताकि विभागीय छात्र-छात्राओं को समसामायिक विषयों पर यथोचित जानकारी मिल सके। कार्यक्रम के दौरान डॉ0 अलका श्रीवास्तव, श्रीमती सरिता सिंह, धर्म कीर्ति, आशीष प्रजापति, विजय कुमार शुक्ला, कुशाग्र पाण्डेय तथा बडी सख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।